प्रभारी प्राचार्य हरकत में आये, दिए कड़े निर्देश

नव भारत खबर का असर

कान्हीवाड़ा नवभारत। स्थानीय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कान्हीवाड़ा में पिछले दिनों समय पर गेट न खुलने के कारण बारिश में भीगे छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की खबर प्रमुखता से प्रसारित होने के बाद आखिरकार प्रशासन जागा है। खबर का बड़ा असर देखने को मिला है, जिससे प्रभारी प्राचार्य तुरंत हरकत में आ गए हैं।

विद्यालय की व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने के लिए प्रभारी प्राचार्य द्वारा ताबड़तोड़ कई कड़े निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे स्कूल स्टाफ और चपरासियों में हड़कंप मच गया है।

स्कूल में चस्पा हुई नई समय सारणी

भविष्य में ऐसी किसी भी लापरवाही से बचने के लिए स्कूल परिसर में एक नई और स्पष्ट समय सारणी नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है। इस सारणी के अनुसार ही अब स्कूल की तमाम गतिविधियां संचालित की जाएंगी। शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी कड़े निर्देश जारी किए गए हैं कि वे हर हाल में सुबह10:00 बजे स्कूल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

क्या था मामला

गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले कान्हीवाड़ा हायर सेकेंडरी स्कूल में निर्धारित समय होने के बाद भी स्कूल का मुख्य गेट नहीं खोला गया था। इस लापरवाही की वजह से समय पर पहुंचे कई छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को बाहर ही रुकना पड़ा था। इसी दौरान तेज बारिश शुरू होने से वे पूरी तरह भीग गए थे। इस घटना की खबर मीडिया में आने के बाद विभाग और स्कूल प्रबंधन की जमकर किरकिरी हुई थी, जिसके बाद अब यह सुधारात्मक कदम उठाया गया है।

चपरासियों और शिक्षकों के लिए कड़े निर्देश

प्रभारी प्राचार्य ने स्कूल के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों (चपरासियों) को सख्त हिदायत दी है कि वे निर्धारित स्कूल समय से काफी पहले विद्यालय पहुंचें। चपरासियों को आदेश दिए गए हैं कि बच्चों और शिक्षकों के आने से पहले पूरे स्कूल परिसर, कक्षाओं और मुख्य गेट को खोलकर पूरी साफ-सफाई सुनिश्चित करें। लेटलतीफी करने वाले स्टाफ पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की बात भी कही जा रही है।

महेश बिसेन ने टाली बड़ी दुर्घटना, कलेक्टर ने किया सम्मानित

सिवनी नवभारत। होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा 2 से 8 जुलाई 2026 तक आयोजित सात दिवसीय सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स प्रशिक्षण शिविर में एक ऐसी सीख दी गई, जिसने कुछ ही दिनों बाद एक बड़ी दुर्घटना को टालने में अहम भूमिका निभाई। आपदा प्रबंधन और अग्नि सुरक्षा पर केंद्रित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वॉलंटियर्स को आपात स्थिति में त्वरित, सुरक्षित और प्रभावी कार्रवाई के लिए तैयार करना था।

शिविर के दौरान 4 जुलाई को प्रतिभागियों को बेसिक फायर साइंस और फायर फाइटिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। आग लगने की स्थिति में अग्निशमन यंत्रों के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग सहित कई तकनीकों का अभ्यास कराया गया। उस समय यह प्रशिक्षण केवल एक अभ्यास जैसा लगा, लेकिन कुछ ही दिनों बाद इसकी असली उपयोगिता सामने आ गई।

7 जुलाई को सिविल अस्पताल बरघाट की लेखा शाखा में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया जाता, तो आग तेजी से फैलकर पूरे अस्पताल परिसर के लिए गंभीर संकट खड़ा कर सकती थी। उसी समय अस्पताल में आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों के सुपरवाइजर और प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागी श्री महेश बिसेन मौजूद थे। उन्होंने घबराने के बजाय प्रशिक्षण में सीखी गई बातों को तुरंत अमल में लाया। उन्होंने अग्निशमन यंत्र का सही उपयोग करते हुए आग पर प्रारंभिक स्तर पर ही प्रभावी नियंत्रण पा लिया। उनकी सूझबूझ, तत्परता और साहसिक निर्णय ने एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। महेश बिसेन की इस सराहनीय और साहसिक कार्रवाई की प्रशासन ने भी खुले दिल से प्रशंसा की। 8 जुलाई को प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में कलेक्टर की उपस्थिति में उन्हें प्रशस्ति पत्र और 5,000 रुपये पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया।

एक नजर में

31 जुलाई तक कराएं फसल बीमा,फसल सुरक्षा का मिलेगा लाभ

सिवनी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ मौसम के लिए अधिसूचित फसलों का बीमा 1 जुलाई से प्रारंभ हो चुका है। किसानों के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। कृषि विभाग ने जिले के सभी ऋणी एवं गैर-ऋणी किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा अवश्य कराएं, ताकि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल क्षति की स्थिति में योजना का लाभ प्राप्त किया जा सके। योजना के अंतर्गत प्राकृतिक आपदाओं जैसे अतिवृष्टि, अल्पवृष्टि, ओलावृष्टि, कीट एवं रोगों के कारण फसल को होने वाले नुकसान पर किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। कृषि विभाग ने किसानों से समय रहते आवेदन करने की अपील करते हुए कहा है कि अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अब तक जिले में 268 .2 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सिवनी। जिले में मानसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है। 01 जून से 09 जुलाई 2026 तक जिले में कुल 268 .2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। गुरूवार को जिले में 7 .1 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई, जिससे किसानों के साथ-साथ आमजन को भी राहत मिली है। भू-संसाधन प्रबंधन कार्यालय द्वारा जारी दैनिक वर्षा प्रतिवेदन के अनुसार 09 जुलाई को बरघाट तहसील में 9 .2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त लखनादौन में 5 .0 मिमी, कुरई में 18 .0 मिमी, सिवनी में 2 .4 मिमी, छपारा में 3 .0 मिमी, घंसौर में 1.0 मिमी, केवलारी में 11 .4 मिमी तथा धनौरा में 6 .5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। 01 जून से अब तक की संचयी वर्षा में बरघाट 351.5 मिमी के साथ जिले में सबसे आगे है।

15 दिवसीय सेफ क्लिक 2 .0 अभियान का सफल समापन

सिवनी नवभारत। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्यव्यापी 15 दिवसीय साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 का सिवनी जिले में आज पवार मंगल भवन सिवनी में सफल समापन किया गया। यह अभियान 24 जून से 08 जुलाई तक जिले भर में संचालित किया गया। समापन कार्यक्रम में जिला कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में सिवनी पुलिस ने अभियान के दौरान जिलेभर में कुल 1448 साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से 8,73,128 नागरिकों को साइबर सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी गई।

अभियान के अंतर्गत साइबर जागरूकता रथ, रैली, मैराथन, साइबर चौपाल, नुक्कड़ नाटक, क्विज प्रतियोगिता, कार्यशालाएं एवं सोशल मीडिया अभियान चलाए गए। जिला कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कहा कि सिवनी पुलिस द्वारा चलाया गया यह अभियान सराहनीय है। सतत जागरूकता से ही नागरिक डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रह सकते हैं। इस अभियान से जिले में साइबर अपराधों में कमी लाने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी।

वहीं पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने कहा साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। पुलिस का प्रयास है कि हर नागरिक डिजिटल रूप से सतर्क और सुरक्षित बने। आमजन से अपील है कि किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल पर विश्वास न करें और तुरंत 1930 पर सूचना दें।

केवलारी में पुराने चेहरों पर फिर भरोसा? भाजपा टटोल रही सियासी नब्ज

डिजिटल प्रशिक्षण से ज्यादा वरिष्ठ नेताओं की सक्रियता बनी चर्चा का विषय, विधानसभा चुनाव की हार के बाद बदल रही रणनीति के संकेत

केवलारी नवभारत। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत केवलारी विधानसभा के विभिन्न मंडलों में आयोजित कार्यसमिति बैठकों और डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म प्रशिक्षण कार्यशालाओं ने स्थानीय राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। आधिकारिक तौर पर इन बैठकों का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को डिजिटल रूप से दक्ष बनाना और संगठन की आगामी कार्ययोजना पर मंथन करना बताया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे भाजपा द्वारा केवलारी विधानसभा की नब्ज टटोलने और भविष्य की रणनीति तैयार करने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में केवलारी सीट पर भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से संगठन लगातार क्षेत्र में अपनी

पकड़ मजबूत करने के प्रयास में जुटा है। ऐसे में पार्टी ने केवलारी विधानसभा के अलग-अलग मंडलों की जिम्मेदारी एक बार फिर अपने अनुभवी और पुराने नेताओं को सौंपकर कई तरह के राजनीतिक संकेत दिए हैं।

केवलारी मंडल में भाजपा के विशेष आमंत्रित सदस्य एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. ढालसिंह बिसेन को सक्रिय भूमिका दी गई है। वहीं अन्य मंडलों की जिम्मेदारी पूर्व विधायक, पूर्व सांसद एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नीता पटेरिया जैसे वरिष्ठ नेताओं को सौंपी गई है। इन नेताओं की लगातार सक्रियता को महज संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता परखने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है। हालांकि कार्यक्रम का स्वरूप पूरी तरह संगठनात्मक था, लेकिन केवलारी विधानसभा में लंबे समय बाद वरिष्ठ नेताओं की बढ़ती सक्रियता ने यह संदेश जरूर दिया है कि भाजपा अब पिछले चुनाव की हार से सबक लेते हुए नए प्रयोगों के साथ-साथ पुराने भरोसेमंद चेहरों पर भी दांव लगाने की तैयारी में है। आने वाले समय में यह रणनीति केवल संगठन तक सीमित रहती है या फिर टिकट वितरण और नेतृत्व परिवर्तन तक पहुंचती है, इस पर राजनीतिक हलकों की नजर बनी रहेगी।

जमीनी स्थिति तथा भविष्य की संभावनाओं का आकलन कर रही भाजपा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पिछले विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद भाजपा केवलारी में कुछ नया राजनीतिक प्रयोग करने की तैयारी में दिखाई दे रही है। पार्टी संभवत: एक बार फिर अपने वरिष्ठतम, अनुभवी और भरोसेमंद चेहरों पर दांव खेलकर संगठन में नई ऊर्जा लाने और जनता का विश्वास दोबारा हासिल करने की रणनीति पर काम कर रही है। हालांकि, धनोरा मंडल प्रभारी पूर्व विधायक एवं पिछली बार हार का सामना करने वाले प्रत्याशी राकेश पाल सिंह को बनाया है वहीं राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी है कि यदि भविष्य में परिसीमन लागू होता है और धनोरा मंडल अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित होकर घंसौर अथवा लखनादौन विधानसभा क्षेत्र में समाहित होती है, तो केवलारी विधानसभा का राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल सकता है। ऐसे संभावित बदलावों को देखते हुए भी भाजपा केवलारी में अपने वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं को सक्रिय कर संगठन की जमीनी स्थिति तथा भविष्य की संभावनाओं का आकलन करती नजर आ रही है।

राज्य स्तरीय शूटिंग में अंतरिक्ष बर्मन ने जीता कांस्य पदक

सिवनी नवभारत। मध्य प्रदेश राज्य राइफल एसोसिएशन द्वारा इंदौर स्थित रेवती रेंज में 3 से 8 जुलाई तक आयोजित राज्य एवं प्री-स्टेट राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में सिवनी जिला शूटिंग एसोसिएशन के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम प्रदेशभर में रोशन किया है। प्रतियोगिता में सिवनी के उभरते हुए खिलाड़ी अंतरिक्ष बर्मन ने 50 मीटर जूनियर प्रोन पोजीशन स्पर्धा में अपनी उत्कृष्ट निशानेबाजी का लोहा मनवाते हुए शानदार कांस्य पदक अपने नाम किया।

वहीं 50 मीटर मेन वर्ग में सिवनी के दिव्यांश राय, श्रेष्ठ राय एवं जुबैर खान ने भी उच्च स्तरीय कौशल का प्रदर्शन किया। इन तीनों खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में

अपने बेहतरीन खेल की बदौलत आगामी ओपन इंडिया चैंपियनशिप के लिए अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। जूनियर मेन वर्ग में शिवांश रघुवंशी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए शीर्ष खिलाड़ियों में 9वां स्थान प्राप्त किया, साथ ही एयर राइफल स्पर्धा में भी उन्होंने राज्य स्तर के लिए अपनी पात्रता सुनिश्चित की। महिला वर्ग में भी जिले की बेटियों ने शानदार सफलता हासिल की। एयर राइफल एवं एयर पिस्टल महिला वर्ग में वैष्णवी यादव ने पूरे मध्य प्रदेश में 14वां स्थान हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया। वहीं, साक्षी बरकोरिया ने प्री-स्टेट प्रतियोगिता में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना टिकट पक्का किया। खिलाड़ियों की इस बड़ी उपलब्धि पर एसोसिएशन के निदेशक रामकृष्ण बरकोरिया ने सभी खिलाड़ियों को बधाईएँ दी है।

वित्तीय साक्षरता कार्यशाला में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा एवं बैंकिंग की दी जानकारी

सिवनी। शासकीय सांदीपनि विद्यालय, सुकतरा में गुरुवार को विद्यार्थियों में वित्तीय जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं को बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल लेन-देन, साइबर सुरक्षा तथा बीमा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में लीड बैंक प्रबंधक श्री प्रवीण दिसोरिया ने विद्यार्थियों को केवाईसी , सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग, ऑनलाइन लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा बढ़ते साइबर फ्रॉड से बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी दी। वहीं, वित्तीय साक्षरता केंद्र के श्री राजेंद्र सदाफल ने बैंकिंग सेवाओं, बचत की आदत, विभिन्न बैंक खातों, ऋण सुविधाओं एवं बीमा योजनाओं की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को वित्तीय रूप से जागरूक बनने के लिए प्रेरित किया।

हिंदू परिषद व बजरंग दल ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

कान्हीवाड़ा नवभारत। विगत दिनों राजस्थान के गंगानगर में घटित घटना 13 वर्षीय बिटिया से कुकर्म किया गया जो अति निंदनीय घटना हे जिससे सकल समाज में आक्रोश व्याप्त है। घटित घटना ने महिलाओं ओर बच्चियों के प्रति लोगो की कुंठित होती मानसिकता को उजागर किया हे। माशूम बिटिया ने आटो चालक पर भरोसा किया ओर चालक ने बिटिया कि मासुमियत का सौदा हॉटल संचालक से कर अपनी हैवानित का परिचय दिया जो भरोसे को तार तार करता हे।

अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने महामहिम राष्ट्रपति से घटना में सम्मलित सभी दोषियों को तत्काल फांसी की सजा ओर घटना की पुनरावृत्ति न हो हेतु

कठोर से कठोर कानून बनाने के लिए मानसून सत्र में कानून बनाने की आग्रह किया तथा दोषियों की संपत्ति जप्त कर पीड़ित बिटिया के परिजनों को देने का आग्रह किया हे। संगठन की बंधुओ ने यह भी आग्रह किया हे कि महिलाओं को सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी योजनाओं को बंद कर केवल उनकी सुस्क्षा की गारंटी बाली कोई योजना चलाने का निवेदन भी पत्र के माध्यम से किया हे।

कपिल अवधिया राष्ट्रीय बजरंग दल कार्यकारी जिला अध्यक्ष , ताम शिंह यादव प्रखंड अध्यक्ष, अजय प्रजापति प्रखंड उपाध्यक्ष, विकास प्रजापति प्रखंड उपाध्यक्ष, प्रकाश बोरकर खंड अध्यक्ष हिनोतिया, गज्जू परते, अमन परते, मोनू महाराज , राजेश ठाकुर पंगार, कमलेश नागोत्र नरवाखेड़ा ,उमाशंकर ठाकुर हिनोतिया, नीलेश बंदेवार खमरिया, विक्रम यादव किरकी राजी आदि कार्यकर्ता की उपस्थिति में ज्ञापन महिला थाना प्रभारी श्री मति अंकिता जेन मैडम को सौंपा गया ओर आग्रह किया गया की उक्त आवेदन राष्ट्रपति तक अवश्य पहुंचाने की कृपा करे।

11 जुलाई को सिवनी जनपद पंचायत में होगी कुकिंग प्रतियोगिता

सिवनी नवभारत। पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय कुकिंग कंपटीशन 11 जुलाई को जनपद पंचायत सिवनी के सभा कक्ष में दोपहर 1:00 बजे से आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में शासकीय शालाओं में भोजन बनाने वाले रसोइयों एवं शाला में अध्यनरत छात्र-छात्राओं की माताएं भाग ले सकेंगी ।कार्यक्रम का उद्देश्य मध्यान भोजन योजना में गुणवत्ता सुधार करना,पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन तैयार करने की जानकारी देना एवं रसोइयों के कौशल का विकास करना है। कार्यक्रम में प्रतिभागी रसोइए शालाओं में परोसे जाने वाले मीनू के अनुसार स्वयं भोजन तैयार कर लाएंगे जिसे कार्यक्रम स्थल में थालियों में प्रदर्शन करेंगे। जिनका परीक्षण विभिन्न सात मानकों के आधार पर अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की निर्णायक समिति द्वारा किया जावेगा। प्रथम विजेता एक रसोइयों को पाँच हजार रुपए पुरस्कार , द्वितीय दो रसोईयों को तीन -तीन हजार रुपए का पुरस्कार , तृतीय तीन रसोइयों को दो- दो हजार रुपए के पुरस्कार एवं तीन रसोईयों को एक -एक हजार रुपए के सांत्वना पुरस्कार के साथ-साथ सभी को प्रमाण पत्र देखकर सम्मानित किया जाएगा।

इस संबंध में विस्तृत निर्देश स्व सहायता समूहों, जन शिक्षा केंद्र प्रभारी/जन शिक्षकों एवं प्रधान पाठकों को प्रेषित किए जा चुके हैं।

मंडला से कांग्रेस संगठन चुनाव की कमान संभाल कर लौटे एम . नईम खान

सिवनी नवभारत। कांग्रेस के राष्ट्रीय और प्रादेशिक संगठन सृजन अभियान के तहत पड़ोसी जिले मंडला में अल्पसंख्यक कांग्रेस के नए जिलाध्यक्ष का चयन करने और संगठन को मजबूती देने की कमान सिवनी जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रभारी एम. नईम खान ने संभाली। उनके कुशल नेतृत्व में बीते 8 जुलाई को मंडला के जिला कांग्रेस कार्यालय

हिन्दू परिषद व बजरंग दल ने थाना प्रभारी को दिया ज्ञापन

में बैठक संपन्न हुई, जहां आगामी जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों में से तीन प्रमुख नामों का मजबूत पैनल तैयार कर उनसे बायोडाटा प्राप्त किया गया। मध्य प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रभारी आबिद काजी और सह प्रभारी लियाकत अली के विशेष निर्देशों पर मंडला पहुंचे सिवनी के वरिष्ठ नेता एम. नईम खान और मंडला जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अशोक मसकोली की मौजूदगी में इस पूरी चयन प्रक्रिया को बेहद पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से पूरा किया गया।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान सिवनी के वरिष्ठ नेता एम. नईम खान ने मंडला जिले के अल्पसंख्यक विभाग और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से एक-एक कर

गहन चर्चा की और जमीनी कार्यकर्ताओं का सीधा अभिमत लिया। संगठनात्मक कवायद को और अधिक सर्वसम्मत बनाने के उद्देश्य से बिछिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक नारायण सिंह पट्टा से प्रत्यक्ष मुलाकात कर तथा निवास विधायक चैन सिंह उइके से भी फोन पर चर्चा कर उनका महत्वपूर्ण फीडबैक लिया गया।

आयोजन जगदीश मंदिर से निकलकर बैनगंगा तट में यात्रा होगी पूर्ण

16 जुलाई को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

सिवनी नवभारत। सिवनी नगर के सुभाष वार्ड में स्थित भगवान जगन्नाथ स्वामी के एकमात्र जगदीश मंदिर से आगामी 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ स्वामी की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी।

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को भगवान जगन्नाथ स्वामी भगवान बलभद्र जी महाराज एवं माता सुभद्रा जी को तीनों पृथक पृथक सुसज्जित रथों में बैठाकर नगर भ्रमण हेतु शोभा यात्रा के रूप में निकाला जाता है और नगर भ्रमण के उपरांत वापस जगदीश मंदिर जाकर यात्रा का समापन हो जाता है। यहां पर श्रद्धालु जनों को

प्रसाद एवं भंडारा भी कराया जाता है जो कि इस वर्ष दिनांक 17 जुलाई को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।

जगन्नाथ स्वामी का यह मंदिर सेठ भोपत राव द्वारा सन 1871 में बनवाया गया था। तभी से यह रथ यात्रा प्रतिवर्ष निकाली जाती

है। यह हमारे शहर की 155 वर्ष से चली आ रही गौरवशाली परंपरा है। श्री सुनील राव पवार इस समय मंदिर के सर्वराहकार है एवं रथ यात्रा कार्यक्रम के मुख्य आयोजक हैं। उन्हीं के नेतृत्व में विगत 38 वर्षों से रथ यात्रा निकाली जा रही है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जगदीश मंदिर के सर्वराहकार एवं रथ यात्रा के आयोजक सुनील राव पवार ने समस्त श्रद्धालु भक्तों से रथ यात्रा में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

यहां से निकलेगी यात्रा

इस वर्ष रथ यात्रा दिनांक 16 जुलाई दिन गुरुवार को शाम 4:00 बजे जगदीश मंदिर से निकलकर गांधी चौक शुक्रवारी काली चौक विंध्यवासिनी मंदिर गणेश चौक होते हुए पुन: शुक्रवारी नेहरू रोड दुर्गा चौक मठ मंदिर एवं छिंदवाड़ा चौक होते हुए बैनगंगा मैया के तट पर लखनवाडा घाट में यात्रा पूर्ण हो जावेगी।

15 करोड़ी प्लांट शोपीस, बरगी डेम के अथाह जल से शहर अछूता?

लखनादौन नवभारत। जिले में बारिश जहां राहत लेकर आई है, वहीं लखनादौन नगर परिषद की सीमा में यह मुसीबत बन गई है। नगर की करीब 25 से 30 हजार की आबादी इन दिनों नलों से आ रहे गहरे मटमैले और बदबूदार पानी को पीने को मजबूर है। विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच यह दूषित पानी स्थानीय प्रशासन की तकनीकी विफलता और जनप्रतिनिधियों की संवेदनहीनता की कहानी बयां कर रहा है।लखनादोन नगर की पूरी जलापूर्ति गुर्दा बांध पर निर्भर है। जुलाई की भारी बारिश के कारण बांध में मिट्टी और गाद बहकर आ गई है, जिससे पानी अत्यधिक मटमैला हो चुका है। इस पानी को साफ करने के लिए मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना के तहत 3 एमएलडी क्षमता का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाया गया था। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह प्लांट सफेद हाथी साबित हो रहा है। बजट बचाने या लापरवाही के चलते पानी में फिटकरी और क्लोरीन की सही डोजिंग नहीं की जा रही है, जिससे नगर में डायरिया और पीलिया जैसी महामारियों का खतरा मंडरा रहा है।

लखनादोन के नागरिकों के लिए सबसे बड़ा मानसिक और व्यावहारिक आघात यह है कि उनके ठीक सामने, नगर की सीमाओं को छूती हुई बरगी-लखनादोन सामूहिक जल प्रदाय योजना की विशालकाय पाइपलाइनें बिछाई जा रही हैं। केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन के तहत जबलपुर के बरगी बांध का साफ, शुद्ध और अथाह जल इस क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीण अंचलों तक पहुँचाया जा रहा है। हर गांव में चमचमाती पानी की टंकियां खड़ी हो रही हैं परंतु, लखनादोन नगर शहरी क्षेत्र के 25 से 30 हजार नागरिकों को इस योजना से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। जब इस विसंगति पर सवाल उठाए जाते हैं, तो प्रशासनिक अधिकारी और इंजीनियर शहरी बनाम ग्रामीण विभाग के नियमों का हवाला देकर पल्ला झाड़ लेते हैं। उनका कहना है कि यह योजना ग्रामीण जल निगम की है और शहर की जिम्मेदारी नगरीय प्रशासन विभाग की है। दो सरकारी विभागों की इस कागजी और तकनीकी लड़ाई में लखनादोन की जनता की प्यास और उनका स्वास्थ्य बंधक बन चुका है।

इस पूरी त्रासदी में सबसे ज्यादा निराशाजनक और आक्रोशित करने वाली भूमिका लखनादोन के स्थानीय जनप्रतिनिधियों—चाहे वे नगर परिषद के अध्यक्ष और पार्षद हों, या क्षेत्र के माननीय विधायक—की रही है। जब नगर की जनता मटमैला और बीमार करने वाला पानी पीने को मजबूर है, तब हमारे नेताओं की यह रहस्यमयी खामोशी कई गंभीर सवाल खड़े करती है देश और प्रदेश में ऐसे दर्जनों उदाहरण हैं जहां सरकारों ने नियमों को शिथिल कर ग्रामीण जल ग्रिड से शहरी निकायों को जोड़ा है।

अगर सरकार नर्मदा का पानी सैकड़ों किलोमीटर दूर देवास और उज्जैन के शहरी प्लांटों तक पहुंचा सकती है, तो लखनादोन नगर परिषद के प्लांट को बरगी की इस पाइपलाइन से मात्र एक फीडर लिंक देकर क्यों नहीं जोड़ा जा सकता ? लखनादोन के विधायक ने आज तक विधानसभा में इस गंभीर विसंगति को उठाकर बरगी-गुर्दा बांध लिंक परियोजना की मांग मजबूती से क्यों नहीं रखी?